केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-249301

Website - http://csu-devprayag.edu.in Email id - admissioncsud@gmail.com

दिनांक : 20.09.2021

(तृतीय-क्रम) प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री प्रथम प्रवेशपरीक्षा (2021-22) के छात्रों के लिए निर्देश

1. प्राक्शास्त्री (इन्टर) एवं शास्त्री प्रथम की प्रवेश परीक्षा केवल आनलाइन माध्यम से होगी।

2. प्रवेशपरीक्षा दिनांक 24.09.2021 को 11:30 से 1:00 तक होगी।

3. सभी छात्र अपना नाम, फार्म रजि.न.(ID) , फार्म न., ई-मेल आई डी, तथा मो.न. को लिखकर अपने पास रखे जो परीक्षाफार्म में भरा जायेगा।

4. प्रश्नपत्र 60 विकल्पात्मक प्रश्नों का होगा। प्रत्येक प्रश्न चार विकल्पों का होगा, उनमें से सही विकल्प चुनना होगा। जिसमें 20 प्रश्न संस्कृतविषय के, 20 संस्कृतभाषा अवबोध तथा 20 सामान्यज्ञान के होगें।

5. प्रवेशपत्र खुलने का समय 11:30 बजे होगा तथा 1: 00 बजे बन्द हो जायेगा। इसी समय के अन्दर आपको अपना परिचय (अपना नाम, फार्म रजि.न.(id) फार्म न. ईमेल आई डी, तथा मो.न.) तथा प्रश्नों के उत्तर देने होगें।

6.प्रवेशपरीक्षा के पूर्वाभ्यास(mock test) हेतु परिसर की साइट http://csu-devprayag.edu.in पर करके देख सकते हैं। 7.किसी भी प्रकार की समस्या हेतु निम्न नम्बरों पर संपर्क कर सकते हैं। 9968115307 / 9758797512 / 8923354865

विजयपाल शास्त्री
(निदेशक)

Scanned by CamScanner

शास्त्री-प्रवेश-परीक्षा-पाठ्यक्रम

1.संस्कृतभाषाज्ञान- माहेश्वरसूत्र, उच्चारणस्थान, सर्वनाम, अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, संख्या, सन्धि, कारक, समास, शब्दरूप- अकारान्त-इकारान्त-उकारान्त पुंल्लिग, आकारान्त-ईकारान्तस्त्रीलिंग, अकारान्तनपुंसकलिंग, विभक्ति, परस्मैपदधातुरूप-लट्-लृट्-लङ्-लोट्, शुद्धवाक्यविचार, कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, श्लोकपूर्ति, ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार।

2.सामान्यज्ञान- सस्कृतपुरस्कार, सस्कृतविश्वविद्यालय एवं संस्थाएं, समसामायिक घटनाएं, कीडा, राज्य तथा राजधानी, संस्थाओं के प्रमुख, नागरिक अधिकार एवं कर्तव्य, सयुक्तराष्ट्रसंघ, इतिहास, प्रमुख नदी व पर्वत।

3.संस्कृतअभिरुचि- संस्कृतगांव, संस्कृतपत्रिका, संस्कृत की उपयोगिता, सस्कृतअध्ययन एवम् अध्यापन के उद्देश्य, संस्कृत की विशेषता, विविध संस्थाओं के ध्येयवाक्य।

शास्त्री-प्रवेश-परीक्षा-पाठ्यक्रम

1.संस्कृतभाषाज्ञान- माहेश्वरसूत्र, उच्चारणस्थान, सर्वनाम, अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, संख्या, सन्धि, कारक, समास, शब्दरूप- अकारान्त-इकारान्त-उकारान्त पुंल्लिग, आकारान्त-ईकारान्तस्त्रीलिंग, अकारान्तनपुंसकलिंग, विभक्ति, परस्मैपदधातुरूप-लट्-लृट्-लङ्-लोट्, शुद्धवाक्यविचार, कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, श्लोकपूर्ति, ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार।

2.सामान्यज्ञान- सस्कृतपुरस्कार, सस्कृतविश्वविद्यालय एवं संस्थाएं, समसामायिक घटनाएं, कीडा, राज्य तथा राजधानी, संस्थाओं के प्रमुख, नागरिक अधिकार एवं कर्तव्य, सयुक्तराष्ट्रसंघ, इतिहास, प्रमुख नदी व पर्वत।

3.संस्कृतअभिरुचि- संस्कृतगांव, संस्कृतपत्रिका, संस्कृत की उपयोगिता, सस्कृतअध्ययन एवम् अध्यापन के उद्देश्य, संस्कृत की विशेषता, विविध संस्थाओं के ध्येयवाक्य।

विजयपाल शास्त्री

(निदेशक)

Scanned by CamScanner